Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

MOOD DISORDER

Mood disorder एक ऐसा mental disorder है, जिसमें व्यक्ति के Emotions में इतना उतार-चढ़ाव होता है कि उसका दिन प्रतिदिन के जीवन का adjustment level बुरी तरह प्रभावित हो जाता है, जिससे उसके Social और Occupational life में तरह-तरह के Problems उत्पन्न हो जाती है। Indian Academy of Psychology के सन् 2000 में किए अध्ययनों के अनुसार, India के सामान्य जनसंख्या का लगभग 5% या लगभग 5 करोड़ Indians में Mood disorder का रोग पाया जाता है।

DSM- IV (TR) में तीन तरह के Mood disorder का उल्लेख है जो निम्नलिखित हैं -

1. Unipolar disorder or Depressive disorder - इसमें रोगी में एक लंबे समय तक तनाव, चिंता, उदासी, निराशा तथा घबराहट की अवस्था बनी रहती है। इसके अलावा, रोगी में भूख, नींद और शारीरिक वजन में कमी होते पाया जाता है। रोगी को अपने शौक, मनोरंजन तथा परिवार सभी अर्थहीन लगते हैं, इन्हें अपनी जिंदगी में कोई खास रूचि नहीं होती है। रोगी अपने आप को हर ढंग से अयोग्य मानता है, और छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान ठीक ढंग से नहीं कर पाते हैं। इनमें न तो कोई काम करने की इच्छा होती हैं और न ही चलने-फिरने की। इसलिए ये विछावन पर ही लम्बे समय तक लेटे रहते हैं।

DSM- IV (TR) में, इसके निम्नांकित दो प्रकार बताए गए हैं -

(i) Dysthymic disorder - इसमें रोगी, गत कई वर्षों से, किसी भी चीज में interest या आनन्द की कमी का अनुभव करता है। लेकिन, बीच-बीच में कभी-कभी यह संभव है कि कुछ दिनों के लिए रोगी का Mood सामान्य हो जाए। ऐसे व्यक्ति में, अधिक नींद आना या बहुत कम नींद आना, सतत थकान बना रहना, निर्णय लेने में कठिनाई, एकाग्रता में कमी, निराशा का भाव आदि अधिक होता है।

(ii) Major depressive disorder - इसमें रोगी एक या एक से अधिक बड़े दु:खद घटनाओं का अनुभव किया होता है। रोगी प्रत्येक चीज में अपना Interest खो चुका होता है तथा उसे किसी भी काम में मन नहीं लगता है। ऐसे व्यक्ति में नींद की कमी, शारीरिक वजन में कमी, थकान, बेकार एवं अयोग्य होने का भाव के साथ-साथ आत्महत्या की प्रवृत्ति आदि अधिक होता है।

Edit with WPS Office

2. Bipolar disorder or Manic-depressive disorder - इसमें रोगी में बारी-बारी से Depression या अत्यधिक उदासी की अवस्था तथा Mania या अत्यधिक खुशी की अवस्था पायी जाती है। Mania की अवस्था में, रोगी अत्यधिक प्रतिक्रिया देता है और कभी कभी हिंसक रूप से प्रतिक्रिया देता है। रोगी में, बिना कारण हँसना, बोलना, नाचना, गाना, सामान्य से अधिक खुश रहना, सोने की इच्छा में कमी, खुद को बड़ा बताना, बड़ी-बड़ी बातें या दावें करना, अपनी क्षमता से परे खर्चे करने की इच्छा रखना, अपने अंदर अत्यधिक शक्ति का अनुभव करना, जैसे लक्षण पाया जाता है। साथ ही साथ बहुत सारे काम एक साथ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन किसी भी काम को सही ढंग से नहीं कर पाता है।

DSM- IV (TR) में, इसके निम्नांकित तीन प्रकार बताए गए हैं -

(i) Cyclothymic disorder - इसमें रोगी में Depressive behaviour (अत्यधिक निराशा एवं चिड़चिड़ेपन का व्यवहार) तथा Hypomanic behaviour (हल्की खुशी एवं उत्साह का व्यवहार) दोनों ही पाये जाते हैं, लेकिन इन दोनों में से किसी की भी गंभीरता अधिक नहीं होती है। फिर भी, इसमें ये लक्षण गत कई वर्षों से पाया जाता हैं।

(ii) Bipolar I disorder - इसमें रोगी एक या एक से अधिक Mania (अत्यधिक खुशी एवं उत्साह की अवस्था) की घटना तथा एक या एक से अधिक Depression (अत्यधिक निराशा एवं चिड़चिड़ेपन की अवस्था) के घटना की अनुभूति अवश्य किया होता है।

(iii) Bipolar II disorder - इसमें रोगी कम से कम एक Hypomanic अवस्था (हल्की खुशी एवं उत्साह की अवस्था) का अनुभव तथा एक या एक से अधिक Depression (अत्यधिक निराशा एवं चिड़चिड़ेपन की अवस्था) का अनुभव हो चुका होता है।

3. Other mood disorder- इसमें वैसे Mood disorders को रखा गया है जो मानसिक एवं शारीरिक, दोनों कारणों से उत्पन्न होता है। कोई शारीरिक बीमारी जैसे Cancer, Blood sugar, Heart attack आदि या अन्य बीमारी के उपचार के लिए लिये जाने वाले Medicine के side effect की वजह से व्यक्ति की मानसिक दशा प्रभावित होती है, जिससे इस प्रकार का disorder उत्पन्न होता है।

Edit with WPS Office